ई.एच.डी.–03

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई, 2018 एवं जनवरी, 2019 सत्रों के लिए)

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी. - 03
हिन्दी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम - 03

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली-110068

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम-03
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : ई.एच.डी.-03

प्रिय छात्र/छात्राओ

'कार्यक्रम दर्शिका' में बताया गया है कि हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम-03 में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किया गया है।

उद्देश्य : सत्रीय कार्य का मुख्य उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य सामग्री को कितना समझा है और आप स्वयं उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। उद्देश्य यह भी है कि अध्ययन के दौरान जो कुछ आपने सीखा और समझा है उसे आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें न कि पुनः प्रस्तुति करें। इस पाठ्यक्रम में हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास के साथ-साथ साहित्य के अंगों से आपको परिचित कराया गया है। इस अध्ययन से आप हिंदी साहित्य के इतिहास और विकास को तो जानेंगे ही साथ ही आप साहित्य के विविध अंगों जैसे रस, शब्द-शक्ति, छंद, अलंकार आदि से भी परिचित हो सकेंगे। सत्रीय कार्य से आप स्वयं यह जान सकेंगे कि आपने विषय को कितना समझा है।

निर्देश : सत्रीय कार्य आरंभ करने से पूर्व निम्नलिखित बातों को ध्यान से पढ़िए :

1). ऐच्छिक पाठ्यक्रमों के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए विस्तृत निर्देशों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए।

2). अपनी उत्तर पुस्तिकाओं के पहले पृष्ठ के दाएँ सिरे पर अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता और दिनांक लिखिए।

3). बाईं ओर पाठ्यक्रम का शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और अपने अध्ययन केंद्र का उल्लेख करें जैसे आगे दिखाया गया है :

अनुक्रमांक : ....

नाम : ....

पता : ....

पाठ्यक्रम का नाम/कोड : ....

सत्रीय कार्य कोड : ....

अध्ययन केन्द्र का नाम/कोड : ....

दिनांक : ....

---

4). उत्तर के लिए केवल फुलस्केप के आकार के कागज़ का इस्तेमाल करें और उन काग़जों को अच्छी तरह से बाँध लें।

5). प्रत्येक उत्तर के पहले प्रश्न संख्या अवश्य लिखें और अपनी ही लिखावट में उत्तर दें।

6). सत्रीय कार्य पूरा करके इसे जाँच के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक (Coordinator) के पास **जुलाई, 2018 में नामांकित विद्यार्थी 31 मार्च, 2019 तक एवं जनवरी, 2019 में नामांकित विद्यार्थी 30 सितम्बर, 2019 तक अवश्य जमा करा दें।**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से दो तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 700 शब्दों में लिखने हैं तथा दूसरी श्रेणी के प्रश्न हैं जिन्हें दिए गए शीर्षक पर 250 शब्दों में उत्तर लिखना है।

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में सभी खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** अपने उत्तर का प्रारूप लिखने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्ध और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क). आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,

ख). वाक्यों और अनुच्छेदों के बीच स्पष्ट क्रमबद्धता हो,

ग). उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा जो आपकी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,

घ). उत्तर प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो और

ङ). आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3). **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसको साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप ज़ोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

4). **विशेष :** अपने उत्तर की फ़ोटो प्रति/कार्बन प्रति अपने पास अवश्य रखें।

शुभकामनाओं सहित!

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम –3
हिंदी साहित्य का इतिहास एवं साहित्य परिचय
सत्रीय कार्य
(खंड 1 से 10 पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बी.डी.पी./ई.एच.डी.–3
सत्रीय कार्य कोडः ई.एच.डी.–3/टी.एम.ए./2018–19
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

भाग 'क'

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 700–800 शब्दों में दीजिए : 15×5 = 75

1. आदिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
2. ज्ञानाश्रयी भक्तिकाव्य की सामान्य प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिए।
3. रीतिसिद्ध काव्यधारा के प्रमुख कवियों का परिचय दीजिए।
4. भारतेन्दु युगीन हिंदी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ बताइए।
5. हिंदी उपन्यास के विकास पर निबंध लिखिए।

भाग 'ख'

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : 5×5 = 25

1. जीवनी एवं आत्मकथा
2. रस के तत्व
3. काव्य में अलंकार का महत्व
4. अष्टछाप
5. पृथ्वीराज रासो